**Sixteenth Loksabha**

an>

Title: Need to take steps to make the folk art alive

**श्रीमती हेमामालिनी (मथुरा) :** स्पीकर मैडम, धन्यवाद।

मैं आज विलुप्त हो रही लोक कला - फोक आर्ट के विऐाय पर बोलना चाह रही हूँ, जिसके कारण मैं बहुत ही चिंतित हूँ। किसी भी देश की संस्कृति उस देश में निवास करने वाले सामान्य जन के रहन-सहन, आचार-विचार, वस्त्र-आभूऐाण और नृत्य-संगीत आदि संस्कारों से निर्मित होती है।

जम्मू कश्मीर से लेकर केरल तक भारत के सभी राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों की अपनी लोक कलाएँ हैं, जिससे उनकी पहचान है। जब हम लोक कला की बात करते हैं, तो हमारे दिमाग में सब से पहले लोक नृत्य, गीत और संगीत आता है। लोक चित्र कला भी हमारे दिमाग में आती है। लोक नृत्य में फोक डांस और म्यूज़िक सब से ज्यादा प्रसिद्ध है। जैसे राजस्थान का घूमर नृत्य बहुत प्रसिद्ध है।

**माननीय अध्यक्ष :** प्लीज, आप शॉर्ट में बोलिए।

**श्रीमती हेमामालिनी:** जी मैडम, मैं शॉर्ट में बोलती हूँ। मेरा यही कहना है कि यह कला आज विलुप्त हो रही है। इसे फॉरेन में भी काफी मान्यता दी गई है। ये कलाकार सिर्फ 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस के अवसर पर नृत्य करते हुए दिखाई देते हैं। इन कलाकारों के लिए हमें कुछ करना चाहिए। इसके लिए मैं संस्कृति मंत्रालय से प्रार्थना करती हूँ। धन्यवाद।

**माननीय अध्यक्ष :** श्री भैरों प्रसाद मिश्र, श्री सुमेधानन्द सरस्वती, कुँवर पुऐपेद्र सिंह चन्देल एवं श्रीमती वी. सत्यबामा को श्रीमती हेमामालिनी द्वारा उठाए गए विऐाय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।